MAHARISHI UNIVERSITY OF MANAGEMENT AND TECHNOLOGY

MAHARISHI ROAD, MANGLA, BILASPUR (CHHATTISGHAR)-495001

FINAL EXAM : SEMESTER-II, SESSION 2020-21(ATKT)

COURSE –PGDY, PAPER – I

SUBJECT CODE : PGDY106, SUNJECT : YOGA PHILOSOPHY

Max Marks : 70 **Min Pass Marks : 28**

निर्देश :–सभी प्रश्नों को हल करें।

प्रश्न 01 विकल्प की सहायता से प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 01X10=10

(i) ज्ञान योग में अंतरंग साधन की संख्या है?
(अ) 10 (ब) 15 (स) 5 (द) 3

(ii) सांख्य दर्शन के प्रणेता हैं?
(अ) महर्षिकपिल (ब) व्यास (स) जैमिनी (द) बादरायण

(iii) वेदान्त दर्शन का ग्रंथ है?
(अ) वेद (ब) गीता (स) ब्रम्हसुत्र (द) उपनिषद

(iv) अष्टांगिक मार्ग में सम्मिलित है?
(अ) सम्यक कर्म (ब) सम्यक आसन (स) सम्यक धर्म (द) उपरोक्त सभी

(v) हठ्योग के आदिगुरू हैं?
(अ) भगवान शिव (ब) भगवान विष्णु (स) भगवान ब्रम्हा (द) इनमेंसेकोईनहीं

(vi) षट्सम्पत्ति में सम्मिलित नहीं है?
(अ) तितिक्षा (ब) उपरति (स) उपेक्षा (द) समाधान

(vii) क्षिप्त भुमि में कौन सा गुण प्रधान होता है?
(अ) सतोगुण (ब) रजोगुण (स) तमोगुण (द) सतोगुण एवं रजोगुण

(viii) मनोशारीरिक रोग का प्रभाव कहां ज्यादा दिखलाई देता है?
(अ) शरीर पर (ब) मन पर (स) आत्मा पर (द) उपरोक्त सभी

(ix) योग ग्रंथों में कुण्डलिनी का तात्पर्य है?
(अ) हठ्योग (ब) चक्र (स) प्राण (द) भाक्ति

(x) श्रवण कौन से योग का अंग है?
(अ) हठ्योग (ब) राजयोग (स) ज्ञान योग (द) लय योग

प्रश्न 02 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, कोई पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें) 02X5=10

(i) हठ्योग को परिभाषित कीजिए।

अथवा

सांख्या दर्शन के अनुसार 25 तत्वों को लिखिए।

(ii) वेदान्त के अनुसार माया क्या है?

अथवा

वेदान्त दर्शन के आचार्यों के नाम लिखिए।

(iii) चित्त के स्वरूप को समझाइये।

अथवा

एकाग्र भूमिका वर्णन कीजिए।

(iv) निदिध्यासन क्या है?

अथवा

लय योग क्या है?

(v) मनोशारीरिक रोंगों के कारण क्या हैं?

अथवा

चित्त क्या है?

प्रश्न 03 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का है कोई 2 प्रश्न करने है) 5x2=10

(i) वेदान्त दर्शन में ब्रम्ह के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

(ii) किन्हीं एक हठ्योगिक ग्रंथों का परिचय दीजिए।

(iii) कुण्डलिनी शक्ति क्या है? समझाइये।

प्रश्न 04 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है कोई 4 प्रश्न करने है) 10x4=40

प्र0 (i) सांख्य दर्शन के अुसार प्रकृति एवं पुरूष की व्याख्या कीजिए।

प्र0 (ii) ज्ञान योग के अंतरंग साधनों का वर्णन कीजिए।

प्र0 (iii) जैन दर्शन के अनुसार पंच महाव्रत का वर्णन कीजिए।

प्र0 (iv) बौद्ध दर्शन के अनुसार दुःख निवृत्ति के उपायों का वर्णन कीजिए।

प्र0 (v) श्री अरविंद के समग्र योग की व्याख्या कीजिए।

प्र0 (vi) मनोशारीरिक रोगों का योग के माध्यम से कैसे प्रबंधन किया जा सकता है? समझाइये।

प्र0 (vii) बुढ़ापा(एजिंग) की समस्या के यौगिक समाधान को समझाइये।

****